



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	14-7-23	5	1

HAU inks pact with Tanzania agri varsity

Hisar: A memorandum of understanding (MOU) has been signed between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, and Morogoro-based Sokoine Agricultural University in Tanzania to promote research and innovations in agriculture and strengthen the economic condition of farmers through cooperation.

The farmers of Tanzania will benefit from the advanced agricultural techniques and innovations of HAU. With the technology of HAU, they will be able to strengthen their economic condition by increasing agricultural production and creating new startups.

At present, the 47th International Trade Fair is going on in Tanzania has a delegation from Haryana, exploring business and education opportunities there. **TNN**



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२५ जून २०२३	१५ - ७ - २३	२	७ - ४

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच अनुबंध

जागरण संवाददाता, हिसार :
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय को उन्नत कृषि
तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया
के किसानों को भी लाभ मिलेगा।
एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया
के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर
व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी
आर्थिक स्थिति को मजबूत बना
सकेंगे।

इसी कड़ी में चौधरी चरण
सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित
सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के
बीच आपसी सहयोग से कृषि में
अनुसंधानों व नवाचारों का बढ़ावा
देने के लिए एक अनुबंध हुआ है,
जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों
को होगा। इस संबंध में चौधरी चरण
सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
के कुलपति प्रौ. बीआर काम्बोज



अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद
एचएयू के कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज व
तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय
के अधिकारीगण। • पीआरओ।

व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता
डा. एसके पाहुजा और तंजानिया
के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय
की ओर से वहां के कुलपति प्रौ.
सपहियल.टी. चिबूदा ने इस अनुबंध
पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर
तंजानिया के कृषि महाविद्यालय
के प्राचार्य प्रौ. ब्रन्ड चोवे व
डायरेक्टर आफ पीजीएस रिसर्च,
टेक्नोकल ट्राईसफर एंड कलसटेंसी
के डायरेक्टर प्रौ. इसोन डॉ.
कारीमदुरिबो भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समाचार पत्र संख्या ५६६	१५-७-२३	५	५-४

हरियाणा कृषि विवि की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ

एचएयू व तंजानिया के कृषि विवि के बीच हुआ अनुबंध

- दोनों देशों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों को कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों से संबंधित मिलेगा प्रशिक्षण

सच कहूँ/संदीप सिंहमार हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मारोगोरा स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक



अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर कलसटेंट्स के डायरेक्टर प्रो. इसोन देशों के किसानों को होगा। इस संबंध से वहां के कुलपति प्रो. राधाहियल.टी. डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे। चिवृडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के बी.आर. काम्बोज व कृषि कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रन्ड काम्बोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से महाविद्यालय के अधिकारा डॉ. चोबे व डॉयरेक्टर ऑफ पीजीएस एस.के. पाहुजा और तंजानिया के रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड

विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किसी पर शोध करने से कामी फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि हक्किं के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय सेमिनार, सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इस अनुबंध से दोनों देशों को कृषि के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी वहीं दूसरी ओर अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभरे उजाला	१५-७-२३	५	३-६

एचएयू और सोकोइन विवि के वैज्ञानिक मिलकर बढ़ाएंगे कृषि नवाचार व शोध

कुलपति प्रो. कांबोज और तंजानिया की यूनिवर्सिटी के कुलपति ने अनुबंध पर किए हस्ताक्षर
माई सिटी रिपोर्टर



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच कृषि में अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुबंध हुआ है। एचएयू के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा दिलेगा।

एचएयू के कुलपति प्रो. चीआर कांबोज व कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा और सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राधियल टी चिंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ

हिसार में अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति प्रो. चीआर कांबोज व अन्य। छंटा

व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधर्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। यह अनुबंध तंजानिया के शहर दार-ए-सलाम में 47वा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान हुआ। कुलपति ने बताया कि हरियाणा और

तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किसी पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्त्यार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि १२२	१५. ७. २३	१	१-७

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

एचएयू की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा सहायता

- दोनों देशों के प्रौद्योगिक, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को कृषि की व्यवसायिक द नई तकनीकों से संबंधित मिलेगा प्रशिक्षण।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय



हिसार। अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मीट्रो एक्स्प्रेस के कुलपति प्रौ. वीआर कामोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच अपनी सहायता से कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी।

प्रौ. ब्रन्ड चौधरी व डॉ. विजेन्ट आंक पीजीएस रिसर्च, टेक्नोकल इंसिफर एंड कलसटटेसी के डायरेक्टर प्रौ. इसोर्न डॉ. कारीमयुरिवो भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। जात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए-सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मोहर लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापर एवं शिक्षा के अवसर तलाशने व उन्हें बढ़ावा देने के लिए दौरे पर है। 50 सदस्यीय इस प्रतिनिधित्वमंडल में हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारी, व्यापारी एवं चार विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारी शामिल हैं।

इन क्षेत्रों में गिलेगा सहयोग

एचएयू के कुलपति प्रौ. वीआर कामोज व अन्य विद्यार्थियों और तंजानिया की कृषि जागतिक लगातार जागतिक है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि जागतिक लगातार जागतिक है। याद ही हमें तंजानिया की प्रशंसनी वाली लोकेशन उन्हें बदल दिया गया था। इन्होंने कृषि के वैज्ञानिक कृषि विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी के लिए नियमित व नई तकनीकों के लिए नियमित विद्यार्थी भेज दिया। जिसके लिए तंजानिया और भारत में कृषि इंस्टीटिउशन ने संकाय का अवान-प्रबन्ध प्राप्त किया। अनुबंध और कृषि विश्वविद्यालय में सम्झौता की घटना विलीन। कुछुक सूची केरल में उपयोग होने वाली उन्नत तकनीकों व नवाचारों के बारे में गहनता से जालकारी दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब एसरी	14-7-23	५	१-३



अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्योज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

एच.ए.यू. और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

हिसार, 13 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उत्तर कृषि तकनीकों व नवाचारों को तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एच.ए.यू. की प्रशिक्षणिकों से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे।

इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा।

इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्योज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के

► पैज़ानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को कृषि की व्यावसायिक व नई तकनीकों से संबंधित मिलेगा प्रशिक्षण

सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिन्हूडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रन्द चौधे व डॉ.यैरेक्टर ऑफ पी.जी.एस. रिसर्च, टैक्नीकल टांसफर एंड कलसटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोन डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे।

इस एम.ओ.यू. के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एच.ए.यू. के पैज़ानिक, शोधार्थी व

वैद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्योज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उत्तर तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की धरेल फसलों की किसी पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि हक्कि के पैज़ानिक कृषि की व्यावसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में सकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अंग्रेजी सभाभाषा

दिनांक
14-7-23

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
३-६

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

दोनों देशों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों संबंधी मिलेगा प्रशिक्षण

हिसर, 13 जुलाई (विरेन्द्र बर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसर की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ावा देने व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वर्हा के कुलपति प्रो. राधिकरण.टी. चिर्यूडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस भौके पर तंजानिया के कृषि अनुबंध पर उस्ताक्षर के दौरान गौजूद एचएयू के कुलपति प्रो. वी.आर. महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रन्द चोवे व डॉयोकेट ऑफ काम्बोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी।

पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रान्सफर एंड कल्टर्सेंट्सी के डायरेक्टर प्रो. इसोन डॉ. कारीमपुरियो भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का



प्रयास करेंगे। ज्ञात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए-सलाम में ४७वाँ अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री भगवान लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापार एवं शिक्षा के अवसर प्राप्त करेंगा। इसी उद्देश्य के लिए एचएयू कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उत्पादों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घोलू फसलों की किसी पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा। उन्हें बताया कि हरियाणा के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि हांडीसियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय सेमिनार, सम्मलनों में हिस्सा लेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इस अनुबंध से दोनों देशों को कृषि के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। वहाँ दूसरी ओर अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। कुलपति ने बताया कि इस एमओयू के अनुसार कृषि क्षेत्र में उत्थान होने वाली उन्नत तकनीकों व नवाचारों के बारे में गहनता से जानकारी दी जाएगी वर्षोंकि आधुनिक युग में जलवायु परिवर्तन सहित अन्य चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र में नई-नई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा व खाद्यतंत्र का सुरक्षित भेदांकन बड़ी चुनौती बन गए हैं। उन्हें बताया कि वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को जल संरक्षण सहित आर्थिक रूप से बचत के लिए अनुसंधान भी किए जाएंगे, जिनका दोनों देशों के किसानों को लाभ होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	14.07.2023	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को

होगा। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहाँ के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिंबूडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रन्द चौधे व डॉयरेक्टर ऑफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि



विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व मनोहर लाल के निर्देशन में एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। जात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए- सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री अधिकारीगण शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	13.07.2023	--	--

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को भिलेगा लाभ

सम्प्रदान हरियाणा नून
हिस्सा, 13 जुलाई। चौथी चरण मिथि
हरियाणा कृषि विभागितात्व, हिस्सा की
उत्तर कृषि तकनीकों व नवाचारों का
उत्कृष्टिया के विषयों को भी लाप्त
विभागितात्व के विशेषज्ञ एवं एवं
तंत्रज्ञानिया के किसान कृषि उत्तराधिकारी
व नए स्टार्टअप दिया कर अपनी
आर्थिक विद्यति को बढ़ावून बढ़ा सकें।
इसी काही में खेतीय चरण सिंह हरियाणा
कृषि विभागितात्व और तंत्रज्ञानिया के
मोरोंसेरों द्वारा सोकोइन कृषि
विभागितात्व के बीच आपसी सहयोग में
कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को
बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है,
जिसका लाप्त दोनों दोसों के विद्यार्थों को
होगा। इस संबंध में खेतीय चरण सिंह
हरियाणा कृषि विभागितात्व के कूलपति
श्री. श. आर. काम्बोज व कृषि
महाविद्यालय के अधिकारी श्री. एस. के.
पाठुला और तंत्रज्ञानिया के सोकोइन कृषि
विभागितात्व की ओर मेर वहाँ के
कूलपति श्री. रामायरन, डॉ. चिरंजीव ने इस
अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। इस सोकोइन
तंत्रज्ञानिया के कृषि महाविद्यालय के
प्राचार्य श्री. कर्नेल चोपडे व डॉ. विनोदेन्ट और
पीजीएस रिट्स्ट, टेक्नोकॉल ट्रान्सफर एवं
कर्टरसटटेन्स के डायरेक्टर श्री. इमोन जी
कारोमपुरियों भी शीघ्र हो। इस एमोन्ड
के अनुसार तंत्रज्ञानिया के सोकोइन कृषि
विभागितात्व के विशेषज्ञ एवं एवं
तंत्रज्ञानिया व विद्यार्थी व विद्यार्थी मिलका
पर्यावरण अनुसंधानों को सहायता से
किसानों को आर्थिक विद्यति को बढ़ावून
बढ़ाने का प्रयत्न करेंगे। जान रहे कि इस
समय तंत्रज्ञानिया के ऊपर दार-ए-भालाम
में 4700 अंतर्राष्ट्रीय अधिकारी मैल चल
रहा है, जिनमें हरियाणा के मुख्यमंत्री
मनोहर लाल के निर्देश में हरियाणा का
एक प्रतिनिधित्व मैल तंत्रज्ञानिया में
व्यापार एवं विद्या के अवसर तकालीन व
उन्हें बढ़ावा देने के लिए दौरे पर है। 50
सदस्योदय इस प्रतिनिधित्व मैल में
हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारी,
व्यापारी एवं वार विभागितात्वों के
कूलपति एवं अधिकारीयां सहायता हैं।

देवीनिया को उपि संभिपत तकलीखों व मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोनों गणनार्थ से जानकारी दी जाएगी पर्याप्त उपकरणों में काफी सुधर आएगा। साथ विश्वविद्यालय ऐमिलर, सम्मेलनों में अनुप्रगत गुण में उत्तमात्म परिवर्तन सहित हमें वेवानिया को चेतून् फसलों को दिया जाएगे और एक-दूसरे का माझोरा अन्य चुनियों के बालाक रुपी होते ही नहीं नहीं सम्भवात् उत्तर हो गई। विद्युति विस्तृत सकारा। उन्होंने बताया कि उपि उपि के खेत में अविराज्य स्वरूप दस घण्टे पर यात्रा सुधर का साधन का मूर्छित कर दीजायिए जानी की सम्भावना नहीं।

तकनीकों के संबंध में प्रश्निवाच दैरे, जिससे कि तंत्रज्ञान और भाल में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का अवान-प्राण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विद्यार्थीहरियों में सहायता को बढ़ावा देता तकनीकों व संवाचारों के बारे में वैज्ञानिक उत्प्रकारणों का अध्ययन व परिवारोंदारों पर होगा और नहुनपति ने बताया कि इस एम्पोडे के अनुसार कृषि होते में डार्कों द्वारे बालों में वैज्ञानिक, शिक्षणिक, संसाधनीयों और जल संरक्षण महिला अधिकार संघ द्वारा दिए अनुमतियां भी किए जाएंगी, जिसके द्वारा वैज्ञानिकों को नाम देंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	13.07.2023	--	--

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उत्तर कृषि लकड़ीको व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ प्रदान। एचएयू की ग्रौविंगको से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ावा देने व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे।

इसी कठोर में होरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के प्रोफेसरों द्वारा सोकोइन कृषि



विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ

दोनों देशों के किसानों को होगा। इस समझौते में कृषि प्रौद्योगिकी, विद्यार्थी व एवं विद्यार्थी विषयक नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों को आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

इस एप्रैल के अनुसार कृषि विश्वविद्यालय के बड़ी बाजारों में जहानवाली व जामकारी दो बाएँ खांसीक आशुमिक युग में जलवायु परिवर्तन बढ़ावा देने वालीयों के कारण कृषि क्षेत्र में नई-नई समस्याएँ उत्पन्न हो गईं, जिससे खाद्य सुरक्षा व खाड़ीन का सुरक्षित भेदभाव बढ़ी चुनौती बन गए हैं। तंजानिया, रियाउद्दी, शोराबिंदी व विद्यार्थियों को जल संकट सहित आर्थिक स्थिति व व्यवसाय के लिए अनुसंधान भी किए जाएंगे, जिनका दोनों देशों के किसानों को लाभ होगा।

तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से कृष्णांति प्रौद्योगिकी विवेदा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एप्रैल के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एवं विद्यार्थी के विद्यार्थी विषयक नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों को आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

इस एप्रैल के अनुसार कृषि विश्वविद्यालय के बड़ी बाजारों में उपयोग होने वाली उत्तम



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृतधारा	12.07.2023	--	--

एवहयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध



हिसार से अमृत धारा के लिए फोटो जर्नलिस्ट मनोज भुटानी के साथ चौधरी मेहता – चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तजानिया के किसानों को भी अब लान मिलेगा। एवहयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच जापानी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए आज एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को मिलेगा। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. कामोज व कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहाँ के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. विकूड़ा ने इस अवधिकारी का अभ्यासित गतिविधि किया।

मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. चौधरी चरण सिंह, टेक्नीकल ट्राईसफर एड कलसटटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इस्केन डी. कारीमयुरिको भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एवहयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी निलकर नदीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। जात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए- सालाम में 47वा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला घल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापार एवं शिक्षा के अवसर तलाजने व उन्हें बढ़ावा देने के लिए दीरे पर है। 50 सदस्यीय इस प्रतिनिधित्व मंडल में हरियाणा सरकार के उच्चादि विकासी, व्यापारी एवं चार विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारीगण शामिल हैं।

आर. कामोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की धरेलू फसलों की किसी पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि हृति के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दो नों विश्वविद्यालय सेमिनार, सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इस अनुबंध से दोनों देशों को कृषि के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी जहाँ दूसरी ओर अनुसंधान की मुण्डता को बढ़ावे में भी प्रभावित कियोगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

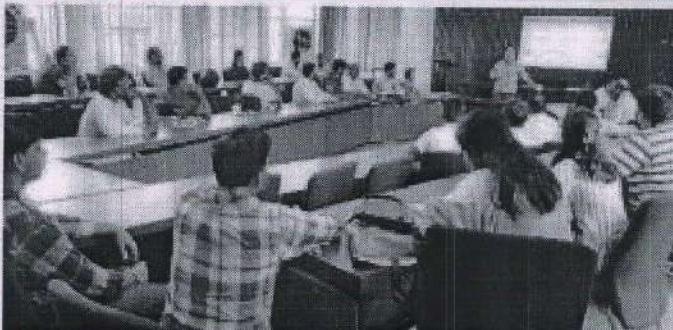
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	13.07.2023	--	--

मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हक्कुवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, फतेहपालाद, सिरमो, कैथल, अंबाला, जोड़, पिंजानी, करनाल, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है। मशरूम उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों का इस्तेमाल किया जाता है जिसमें खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित के साथ-साथ वायु प्रदूषण से भी निजात मिलती है। उन्होंने बताया कि खासकर भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियों द्वारा स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं तथा सारा



मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ संबोधित करते हुए।

वर्षे भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या होंगरी, मिलकी या दूधिया मशरूम, धान के पुचल की मशरूम इत्यादि उपायकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कृलम्बिक एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मण्डल

ने बताया कि साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान सफेद बटन मशरूम के अलावा दूसरी कई तरह की मशरूम जौ प्रजातियों को भी बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार योदारा ने बताया कि अभी हाल ही में हरियाणा प्रान्त में 21500 मैट्रिक टन मशरूम का उत्पादन हुआ, जिसमें लगभग 99 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादन सफेद बटन मशरूम का ही है। दिल्ली, लुधियाना,

चंडीगढ़ के इलाका कई अन्य छोटे बड़े शहरों के साथ साथ गांवों में भी इसकी मांग बढ़ी रहती है और इसको बेचने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इस प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि हरियाणा में ज्यादातर किसान केवल सर्दी के मौसम में सफेद बटन सूख्म की काश्त करते हैं किन्तु इसके इलाका दूसरी मशरूम जैसे होंगरी व दूधिया मशरूम का उत्पादन भी लिया जा सकता है किन्तु लोगों में अनालता की बजाह से लाग दूसरी सूख्मों का सेवन नहीं करते और सूख्म उत्पादकों द्वारा इन सूख्मों की चिकित्सा में दिक्कत महसूस होती है। इसके अलावा किसानों को मशरूम ड्रॉलोंजी प्रयोगशाला का भी ध्वनि करनाया गया। इसके अलावा डॉ. जगदीप सिंह, डॉ. डी. शर्मा, डॉ. राकेश कुमार चूथ, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. अमोरपत्री, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. संदीप भावर, डॉ. सरोज यादव, डॉ. भूषण सिंह, डॉ. एकित्रा पुनिया ने संबोधित विषयों पर अपने व्याख्यान दिए।